झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

सामुदायीकरण हेतु स्वास्थ्य सिस्टम को संवेदनशील बनने की जरूरत

रांची : झारखंड स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामुदायीकरण की अवधारणा को मजबूती देने के लिए नामकुम के आइपीएच सभागार में जिला कार्यक्रम समन्वयकों के लिए मंगलवार से तीन दिवसीय विजनिंग एक्सरसाइज कार्यशाला की शुरूआत की गई। विषय प्रवेश करते हुए राज्य कार्यक्रम समन्वयक अकय मिंज ने कहा कि समुदाय को यदि स्वास्थ्य बनाना है तो सिर्फ सहिया के भरोसे नहीं रहा जा सकता। बल्कि इसके लिए जिला एवं राज्य कार्यक्रम यूनिट से जुड़े सिस्टम के सभी अंगों को सशक्त व संवेदनशील बनने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि यह सच है कि सहियाओं के बेहतर कार्य के बदौलत हमारी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बन रही है। हमें इसे समेटकर रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज गांव से लेकर जिला स्तर तक स्वास्थ्य से जुड़ी कई समितियां कार्य रही हैं जिनमें सीधे या परोक्ष रूप में पंचायत राज प्रतिनिधि भी शामिल हैं। कई बार स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करने के लिए विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन हमारा मकसद हर हाल में मां व बच्चा को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दिलाना होना चाहिए और हमें इसी दिशा में संवेदनशील बनना चाहिए।

कार्यशाला में झपाइगो के डॉ सुरंजन प्रसाद एवं डॉ दिनेश सिंह ने समुदाय में सहियाओं की भूमिका एवं दायित्वों पर विस्तार से चर्चा की एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामुदायीकरण की सोच पर प्रकाश डाला। दूसरे सत्र में लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञ गुरजीत सिंह ने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में समुदाय की ओर से किये जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मूल उद्देश्यों एवं सामुदायीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया।

सहिया प्रशिक्षण समन्वयक डॉ मनीर अहमद सरकार की ओर से किये जा रहे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी दी। अध्यक्षता उपनिदेशक डॉ अनुराधा कच्छप ने की। मौके पर सिनी के संदीप मित्रा, शक्ति पांडेय व शैलेश कुमार, सेव द चिल्ड्रेन के संजय कुमार उपस्थित थे। आठ जनवरी तक चलने वाली इस कार्यशाला में सभी जिलों के जिला कार्यक्रम समन्वयक हिस्सा ले रहे हैं।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग